आकाशवाणी

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 03.05.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- विदेश मंत्रालय ने वर्ष 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा का आधिकारिक कार्यक्रम जारी कर दिया है।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों एवं मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।
- केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रामनगर से देहरादून के मध्य नई रेलगाड़ी के परिचालन को स्वीकृति प्रदान की है।
- **और,** प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु ने रानीखेत में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

विदेश मंत्रालय ने वर्ष 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा का आधिकारिक कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस बार यात्रा की शुरुआत 30 जून से होगी। कार्यक्रम के अनुसार 4 जुलाई को दिल्ली से पहला दल रवाना होगा, जो 5 जुलाई को पिथौरागढ़ जिले के धारचूला स्थित आधार शिविर पहुंचेगा। इसके बाद 6 जुलाई को दल गूंजी पहुंचेगा, जहां आईटीबीपी की मेडिकल टीम द्वारा यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। उच्च हिमालयी क्षेत्र के अनुकूल ढलने के लिए यात्रियों को तीन दिन का एकमैटाइजेशन दिया जाएगा। इसके पश्चात 10 जुलाई को यह दल लिपुलेख दर्रे के रास्ते चीन में प्रवेश करेगा। इस वर्ष कुल 10 दलों में लगभग 500 श्रद्धालु पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दर्शन करेंगे। यात्रा का अंतिम दल 26 अगस्त तक अपनी यात्रा पूर्ण करेगा। पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने भी यात्रा की तैयारियां तेज कर दी हैं।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि संबंधी मामलों तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री धामी ने मुख्यमंत्री कार्यालय एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों एवं मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए और प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब न किया जाए।

केदारनाथ धाम

केदारनाथ धाम की यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा स्थानीय प्रशासन और पुलिस की प्राथमिकता बनी हुई है। यात्रा के दौरान सुरक्षा तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से धाम के विभिन्न

संवेदनशील क्षेत्रों में बम डिस्पोजल स्क्वाड ने संयुक्त रूप से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बम डिस्पोजल स्क्वाड और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर और अन्य सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से मंदिर के प्रवेश द्वारों विश्राम स्थलों और श्रद्धालुओं के सामान की सघन जांच की गयी। सुरक्षा व्यवस्था को केवल भौतिक चौकिंग तक ही सीमित नहीं रखा गया है बल्कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी भीड़भाड़ वाले इलाकों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रा को निर्बाध बनाना और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना है। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि सुरक्षा जांच के दौरान तैनात कर्मियों के साथ सहयोग करें।

श्री हेमकुंट साहिब

भारतीय सेना की 418 इंडिपेंडेंट फील्ड कंपनी (9 माउंटेन ब्रिगेड) की टीम और गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के सेवादार आज श्री हेमकुंट साहिब गुरुद्वारा कॉम्प्लेक्स तक पहुंच गए हैं। जिससे अब टीम यहीं पर रहकर कार्य कर सकेगी। इससे पहले उन्हें हर शाम घांघरिया वापस लौटना पड़ता था। टीम अब हेमकुंट साहिब से अटलकोटी ग्लेशियर प्वाइंट तक नीचे की ओर ट्रैक को चौड़ा करने का कार्य करेगी, ताकि तीर्थयात्रियों के लिए मार्ग और अधिक सुगम व सुरक्षित हो सके।

बता दें कि श्री हेमकुंट साहिब गढ़वाल हिमालय में लगभग 4,632 मीटर (15,200 फीट) की ऊंचाई पर स्थित एक अत्यंत पवित्र सिख तीर्थस्थल है, जो बर्फ से ढंके पर्वत शिखरों और स्वच्छ झील से घिरा हुआ है। चमोली स्थित श्री हेमकुंट साहिब के कपाट 25 मई को सुबह 10 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

केंद्रीय रेल मंत्री

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रामनगर से देहरादून के मध्य नई रेलगाड़ी के परिचालन को स्वीकृति प्रदान की है। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के माध्यम से यह जानकारी दी। श्री बलूनी ने कहा कि रामनगर देहरादून रेल सेवा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, साथ ही उनका समय और धन दोनों की बचत होगी। सांसद ने इसके लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश की जनता की रेल सुविधाओं से जुड़े उनके सभी निवेदनों पर सदैव सकारात्मक रुख अपनाया है और अनेक रेल सेवाओं के संचालन तथा स्टॉपेज की

स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल देश के साथ–साथ उत्तराखंड के लिए भी उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है।

प्रमुख सचिव

प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु ने रानीखेत के छावनी सभागार में वर्ष 2000 से 2026 तक क्षेत्र में विभिन्न विभागों द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रमुख सचिव ने लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किए गए कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में मानव–वन्यजीव संघर्ष और वन क्षेत्र की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख सचिव ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन एवं पर्यटन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और इको–टूरिज्म मॉडल अपनाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव ने चौबटिया गार्डन का भी भ्रमण किया और गार्डन की भौतिक प्रगति की जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने कहा कि चौबटिया गार्डन को अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इसे पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है।

चार धाम यात्रा 2026

चार धाम यात्रा 2026 को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए चमोली पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सीसीटीवी कैमरो व ड्रोन के बेहतर समन्वय से यात्रा मार्गों में यातयात का सफल संचालन हो रहा है। बदरीनाथ धाम की यात्रा 23 अप्रैल से शुरू हुई, प्रति दिन यहां अभी 16 से 20 हजार तीर्थ यात्री व पर्यटक पहुंच रहे हैं। पुलिस द्वारा यात्रा मार्ग के 160 से अधिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से निगरानी कर ट्रैफिक का सफल संचालन किया जा रहा है। साथ ही संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से यातायात का सफल संचालन किया जा रहा है।

बदरीनाथ धाम की यात्रा पर दिल्ली से आए रविंद्र ने यात्रा व्यवस्था और ट्रैफिक मैनेजमेंट को बहुत बढ़िया बताया है।

उधमसिंह नगर

उधमसिंह नगर जिले के जसपुर क्षेत्र में गिरते जल स्तर से जूझ रहे स्थानीय लोगों की समस्या के समाधान के लिए सरकार ने जल संचयन के लिए जसपुर की फीका नदी पर प्रोजेक्ट लगाने का फैसला लिया है। लघु सिंचाई के विभागाध्यक्ष और मुख्य अभियंता बी.के. तिवारी ने राज्यस्तरीय स्प्रिंग एंड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण के तहत इस प्रोजेक्ट के लिए नदी का सर्वे किया। वहीं जिले में आने वाले 17 किलोमीटर नदी के कैचमेंट एरिया के आसपास के 31 तालाबों को गहरा करते हुए जल संचय को बढ़ाने का कार्य भी प्रोजेक्ट के तहत किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को कई चरणों मे चलाया जाएगा।

....